

मन का आँगन महकने लगा है साथ गुरुवर का जबसे मिला है



मन का आँगन महकने लगा है,
साथ गुरुवर का जबसे मिला है,
रौशनी मन की बतला रही है,
की अंधेरी ने कितना छला है,
मन का आँगन महकने लगा है,
साथ गुरुवर का जबसे मिला है।bd।

है यहाँ तन के रिश्ते सभी से,
माँ पिता बंधू भाई सभी से,
आत्मा का है परमात्मा गुरु,
जिससे जीवन का ये सिलसिला है,
मन का आँगन महकने लगा है,
साथ गुरुवर का जबसे मिला है।bd।

जबसे गुरु की शरण आ गए है,
खुशियों का चमन पा गए है,
साथ गुरुवर का जग में निराला,
जिंदगी से ना शिकवा गिला है,
मन का आँगन महकने लगा है,
साथ गुरुवर का जबसे मिला है।bd।

अब तो गुरुवर के हाथों है जीवन,
दे दिया मैंने अपना ये तन मन,
जबसे गुरुवर के हम हो गए है,
मन में शांति का एक फुल खिला है,
मन का आँगन महकने लगा है,
साथ गुरुवर का जबसे मिला है।bd।

मन का आँगन महकने लगा है,
साथ गुरुवर का जबसे मिला है,
रौशनी मन की बतला रही है,
की अंधेरी ने कितना छला है,
मन का आँगन महकने लगा है,
साथ गुरुवर का जबसे मिला है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>

